TEACHERS OF BIHAR

The Change Makers

वर्ष - 1 माह - अगस्त 2021 अंक - 7

e-magazine

www.teachersofbihar.org

अनुक्रमणिका

1. अपनी बात ____ 2–3
2. हमारे ब्लॉग्स ____ 4
3. पद्य-पंकज ____ 5–11
4. गद्य-गुंजन ____ 12
5. एक विद्यालय ऐसा भी ____ 13–14
6. सम्मानित शिक्षक ____ 15–16
7. गणित ____ 17–20
8. कला समेकित अधिगम ____ 21
9. शिक्षक-गाथा ____ 22–23
   a साक्षात्कार
   b कार्टून से गणित सिखाना
10. ToB ज्ञान ____ 24
11. शुभकामना ____ 25
12. पत्रिका ____ 26
13. एक बी.आर.सी. ऐसा भी ____ 27
14. विज्ञान दिवस ____ 28
15. इस माह खबरों में ____ 29–31
16. हम से जुड़ें ____ 32–33

अपनी बात

कोरोना की दूसरी लहर के पश्चात एवं कोविड-19 के संक्रमण की आशंका क्षीण होने पर अब बिहार के सरकारी एवं निजी विद्यालय खुल गए हैं। बच्चे पचास प्रतिशत की उपस्थिति के साथ विद्यालय आने लगे हैं। सभी शिक्षक भी बच्चों के हित में अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने लगे हैं। इस सुखद एवं शुभ अवसर की प्रतीक्षा इस वर्ष के अप्रैल माह से ही थी, जो अगस्त माह में पूर्ण हुई।

बच्चों के आने से अब विद्यालय की बगिया गुलजार हो गई है। विद्यालय में चहल-पहल शुरू हो गई। विद्यालय बच्चों के रौनक से चमकने लगा। विद्यालय में मानो शीत एवं पतझड़ के बाद वसंत का आगमन हो गया। विद्यालय का अंग-अंग, कोना-कोना, प्यारे-प्यारे बच्चों के आगमन से महक उठा, चमक उठा, दमक उठा और खिल उठा। विद्यालय परिवार बच्चों के स्वागत के लिए मचल उठा।

बच्चों को विद्यालय में आने की खुशी में कई विद्यालयों को वंदनवार, फूल, पत्तियों, पताकाओं, गुब्बारों व रंगोली से सजाया गया। बच्चों को तिलक लगाकर, आरती उतारकर, पुष्प-गुच्छ एवं उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की पवित्र कामना की गयी। सारा विद्यालय परिवार बच्चों के आगमन से निहाल हो उठा। बच्चों की सुंदर आभा से विद्यालय जगमग हो उठा।

गत वर्ष में लगभग ग्यारह माह और वर्तमान वर्ष में लगभग चार माह विद्यालय के पूर्णतः बंद होने से बच्चों के अधिगम में हुई हानि की प्रतिपूर्ति करना शिक्षकों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। बच्चों के अधिगम में हुई हानि की भरपाई करने की जिम्मेवारी भी शिक्षकों की है। इस जिम्मेवारी के निर्वहन में शिक्षकों को आपस में विचार-विमर्श कर एवं ठोस रणनीति बनाकर उसे क्रियान्वयन करने की योजना बनानी चाहिए। इस दिशा में उनको सजग एवं सक्रिय रहने की अनिवार्यता है। बच्चों के लिए शिक्षक ही उनके

भविष्य-निर्माता, सबसे विश्वसनीय सहायक एवं सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। शिक्षक ही उनके मुख्य हितधारक हैं।

ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेवारी स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। बच्चों को सिखाना, समझाना एवं शैक्षिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य शिक्षकों का ही होता है। वह विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों, शिक्षण अधिगम सामग्रियों, रोचक गतिविधियों, नवाचारों, खेल, गीत-संगीत आदि कला समेकित अधिगम के माध्यम से बच्चों में अधिगम संप्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध रहते ही हैं, परंतु इस कोरोना काल के बाद शिक्षकों से बच्चों एवं उनके अभिभावकों की अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। ऐसे में बच्चों एवं अभिभावकों की उम्मीद पर खरा उतरना शिक्षकों के लिए जरूरी हो गया है। 'टीचर्स ऑफ़ बिहार' शिक्षकों को शुभकामना देता है कि वह अपने इस सारस्वत कर्म में सफल हों।

'टीचर्स ऑफ़ बिहार' के ई-मैगजीन के सातवें अंक में 'हमारे ब्लॉग्स' , 'पद्य-पंकज', 'गद्य-गुंजन', 'एक विद्यालय ऐसा भी', 'शिक्षक गाथा', 'कला समेकित अधिगम' आदि स्तंभों के जरिए रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारियाँ सहेजी गयी हैं, जो शिक्षकों एवं बच्चों के लिए उपयोगी हैं। उम्मीद है कि यह अंक आपकी शैक्षिक अनुभूतियों को व्यापक एवं समृद्ध करेगा।

शुभकामनाओं सहित....

संपादक

चंद्रशेखर प्रसाद साहु
(राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित)
प्रधानाध्यापक
कन्या मध्य विद्यालय कुटुम्बा,
औरंगाबाद (बिहार)
मो. 8092131203
E-mail : shekharsahu78@gmail.com

हमारे ब्लॉग्स

स्वार्थ संग विलुप्त होती देशभक्ति -शुकदेव पाठक

पद्य-पंकज

विद्यालय का श्यामपट्ट-लवली वर्मा

शुभ संस्कार-दिलीप कुमार गुप्त

फलों का राजा आम-अनुज कुमार वर्मा

प्रकृति के रंग-मनोज कुमार मिश्र

जय गंगा मैय्या-कुमकुम कुमारी 'काव्याकृति'

तू विगत दिनों की बात मत कर-अजय कुमार

अब तो खुल जाओ-विवेक कुमार

नशा मिटाएंगे-मुकेश कुमार

अनुभव-संगीता कुमारी सिंह

किताबें करती है बातें-मधु कुमारी

मेरे गांव की मिट्टी-एम० एस० हुसैन "कैमूरी"

मुस्कान-ब्रह्मकुमारी मधुमिता सृष्टि

मेरी बिटिया-मनु कुमारी

संचार के बदलते साधन-धीरज कुमार

मुस्कान-नूतन कुमारी

किताबें-प्रियंका दुबे

बचपन-प्रीति कुमारी

गाएँगे तेरा गुणगान-विजय सिंह नीलकण्ठ

जिंदगी अब ऑनलाइन बनकर रह गई-मंजू रावत

वर्षा रानी-रूचिका

नारी तु नारायणी-रीना कुमारी

फिर स्कूल चलें-सुधीर कुमार

गुरु-मनोज कुमार मिश्र

बचपन-डॉ. अनुपमा श्रीवास्तवा

अनमोल जीवन-आंचल शरण
पाठशाला से रिश्ता-एस. के. पूनम

नशा का हो नाश-विवेक कुमार

पर्यावरण-अशोक कुमार

अनमोल व अदृश्य मित्र-विजय सिंह नीलकण्ठ

Plant trees-Manju Raut

मुझको पता नहीं-भोला प्रसाद शर्मा

आविष्कार-बीनू मिश्रा

कोयल की मीठी बोली-भवानंद सिंह

चौपाई-देव कांत मिश्र दिव्य

विनय-दिलीप कुमार गुप्त

महारथी कर्ण का वध-दिलीप कुमार चौधरी

ऑनलाइन क्लास-धीरज कुमार

नशा मुक्ति अभियान-जैनेन्द्र प्रसाद रवि

बेजुबान-कुमकुम कुमारी 'काव्याकृति'

नजर आए-सुधीर कुमार

गुलाब-मधु कुमारी

बचपन-ब्रह्माकुमारी मधुमिता 'सृष्टि'

आज की कविता-गिरिधर कुमार

जीवन है अनमोल खजाना-एम० एस० हुसैन "कैमूरी"

युगपुरुष स्वामी विवेकानंद-मनु कुमारी

तू बन ऐसा दरिया-अंशु कुमारी

जिंदगी की परिभाषा-नूतन कुमारी

बालमन-प्रियंका दुबे

अच्छा लगता है-विवेक कुमार

जीवनदाता-विजय सिंह नीलकण्ठ

जिंदगी-रीना कुमारी

एक वृक्ष की करुण व्यथा-प्रीति

सुभाष चंद्र बोस-सुधीर कुमार

प्रभु वंदना-शुकदेव पाठक

गुरु की महिमा-बबीता चौरसिया

मदर टेरेसा-अपराजिता कुमारी

अधिकार-डॉ.अनुपमा श्रीवास्तवा

आजादी-अशोक कुमार

पृथ्वी-अनुज कुमार वर्मा

आओ करें आत्म अवलोकन-भवानंद सिंह

बालमन फिर झूले-भोला प्रसाद शर्मा

जड़ के कार्य-बीनू मिश्रा

मैं भारत हूँ-देव कांत मिश्र

सद्गुरु शत शत तुम्हे प्रणाम-दिलीप कुमार गुप्त

पैबन्द लगी कविता-गिरिधर कुमार

सपने सच होंगें-लवली वर्मा

आर्तवाणी से पुकारा-जैनेन्द्र प्रसाद रवि

राम कथा-कुमकुम कुमारी 'काव्यकृति'

सुनो बेटियों खूब कमाना-बबीता चौरसिया

दर्द-एम० एस० हुसैन "कैमूरी"

सावन में झूला-मधु कुमारी

गुरु गुरु कहिए-मनु कुमारी

गंतव्य-प्रियंका दुबे

गंगा-नूतन कुमारी

E-LOTS से शिक्षा का अलख जगाना है-विवेक कुमार

मेरी अभिलाषा-प्रीति

माॅं सृष्टिकर्तृ-सुरेश कुमार गौरव

तिरंगा हमारी शान-रूचिका

प्रश्न और उत्तर-सुधीर कुमार

नमन करें-स्नेहलता द्विवेदी 'आर्या'

उत्कल उद्र ओडीशा-अपराजिता कुमारी

मां भारती-अशोक कुमार

हरियाली-अनुज वर्मा

महान साहित्य समाट-अपराजिता कुमारी

गद्य-गुंजन

धैर्य वन मुर्गी की-लवली कुमारी

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी-हर्ष नारायण दास

विश्व धरोहर स्थल नालंदा विश्वविद्यालय-कुमारी निरुपमा

समझ्-विजय सिंह नीलकण्ठ

लैंडमार्क-कुमारी निरुपमा

कुत्ते की वफादारी-लवली कुमारी

बच्चों को संस्कार दें-हर्ष नारायण दास

संकल्पों की शक्ति-ब्रम्हाकुमारी मधुमिता 'सृष्टि'

जागरुकता-कुमारी निरुपमा

Small birds and naughty monkeys-Nidhi Choudhary

भोलवा का कुर्ता-चाँदनी समर

प्रेमचंद हमारे युगद्रष्टा-देव कांत मिश्र 'दिव्य'

एक विद्यालय ऐसा भी

उत्क्रमित उच्च विद्यालय बारा, फारबिसगंज, अररिया, बिहार अपने सज-धज के साथ बच्चों के स्वागत के लिए तैयार है। देखें विद्यालय का मनोरम दृश्य –

(20+) Teachers of Bihar – Posts | Facebook

एक विद्यालय ऐसा भी

मधेपुरा जिलान्तर्गत मुरलीगंज प्रखण्डाधीन सुन्दर और सुसज्जित मध्य विद्यालय पकिलपार की एक झलक जो विद्यालय के प्रधान के विद्यालय विकास की असीम चाहत को दर्शाता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक

पुरस्कार का अपना एक महत्व होता है। उसकी अपनी गरिमा ओर प्रतिष्ठा होती है। जब किसी योग्य व्यक्ति को पुरस्कार मिलता है, तो पुरस्कार का गौरव बढ़ जाता है।

इस वर्ष 2021 का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार बिहार के ऐसे ही योग्य, प्रतिभावान, लगनशील एवं कर्मठ शिक्षकों को 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) को

मिलने वाला है। ये शिक्षक हैं- कैमूर जिला के मध्य विद्यालय डरहक, रामगढ़ के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री हरिदास शर्मा और मधुबनी जिला की मध्य विद्यालय रांटी, राजनगर की शिक्षिका श्रीमती चंदना दत्त। इन दोनों शिक्षकों ने राष्ट्रीय

शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित होकर जहां एक ओर बिहार का मान बढ़ाया है, वहीं इन्होंने अन्य शिक्षकों के लिए उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत किया है।

'टीचर्स ऑफ बिहार' इन दोनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई देता है और इनकी उपलब्धि पर गर्व करता है। 'टीचर्स ऑफ बिहार' यह उम्मीद करता है कि शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षक अधिक से अधिक सम्मानित हों और अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणापुंज बनें।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के अंतर्गत इस बार पूरे बिहार से छः शिक्षकों को नेशनल ज्यूरी के समक्ष वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रेजेंटेशन देने के लिए चयन किया गया था। कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में इन सभी शिक्षकों

ने शिक्षा विभाग के मुख्यालय पटना में ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अपना ऑनलाइन प्रेजेंटेशन दिया। ऑनलाइन प्रेजेंटेशन देने के लिए चयनित चार अन्य शिक्षकों में जिला स्कूल गया के शिक्षक देवेंद्र सिंह, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बंगरा मुजफ्फरपुर के प्रधान शिक्षक श्री अमरनाथ त्रिवेदी, मध्य विद्यालय सनथुआ, रफीगंज औरंगाबाद के प्रधानाध्यापक सुनील राम और महादेव उच्च माध्यमिक विद्यालय खुसरूपुर, पटना की शिक्षिका श्रीमती निशि कुमारी थीं।

कितने मजबूर हो गए !

कहना पड़ता है कि

गणित सीखते-सीखते हम गणित से दूर हो गए, कितने मजबूर हो गए।

साथियों!

2005 में NCF और 2008 में BCF आया। हमारे शिक्षाविदों ने गणित के बारे में सुनहरे अक्षरों में दर्ज किया कि बच्चे गणित से भयभीत होने के बजाय गणित का आनन्द उठायें, गणितीय ढंग से सोच सकें, तर्क कर सकें, सूत्र न रटें बल्कि इसके आगे की सोचें और चर्चा करें, सार्थक समस्याएँ उठाएँ और उसे हल करें। कथनों की सत्यता और असत्यता को लेकर उस पर चर्चा करें। लेकिन अफसोस सद अफसोस हम अभी इससे कोसों दूर हैं, तो कहना पड़ता है कि

गणित सीखते-सीखते हम गणित से दूर हो गए, कितने मजबूर हो गए।

साथियों!

आइए उदाहरणों से बात करते हैं-

क्या गणितीय सोच थी श्रीनिवास रामनुजन सर की जिन्होंने अपने जन्म-दिन 22.12.1887 पर एक जादुई वर्ग (मैजिक स्क्वायर) बना दिया।

22	12	18	87
88	17	9	25
10	24	89	16
19	86	23	11

और एक तरफ हम हैं कि पहली प्राकृतिक संख्या

$1 = \frac{1}{2} + \frac{1}{4} + \frac{1}{8} + \frac{1}{16} + \cdots \infty$ भी हो सकता है, नहीं सोचते।

एक तरफ आर्यभट्ट सर की गणितीय सोच कि जिन्होंने π का लगभग मान $\pi = \frac{62832}{20000} = 3.1416$ सैकड़ों वर्ष पहले बता दिया और एक हम यह भी सोचना गवारा नहीं करते कि

$\frac{22}{7}$ बड़ा है कि π बड़ा है ?

एक तरफ आर्कमिडीज सर की गणितीय सोच है जिन्होंने

वृत का क्षेत्रफल $= \frac{1}{2}$ x वृत्त की परिधि x त्रिज्या बताया और एक तरफ हम हैं जो यह भी नहीं सोचते कि क्षेत्रफल होता क्या है ?

एक तरफ न्यूटन सर हैं जिन्होंने

$\frac{0}{0}$ पर ऐसा सोचा कि कैलकुलस का निर्माण कर दिया और एक तरफ हम हैं कि $\frac{1}{0}$ अपरिभाषित क्यों है, नहीं सोचते।

कहाँ एक तरफ गणितीय सोच की बुलंदी और कहाँ दूसरी तरफ गणितीय सोच की पस्ती, तो कहना पड़ता है कि

गणित सीखते-सीखते हम गणित से दूर हो गए, कितने मजबूर हो गए।

साथियों!

कार्ल गौस ने कहा ''गणित विज्ञान की रानी है'', और हमने कहा कि रानी गणित नहीं सीख सकती।

प्रोकोलस ने कहा जहाँ संख्याएँ हैं वहाँ खूबसूरती है मगर हमें यह खूबसूरती फिबोनाच्ची सीरीज और गोल्डेन रेश्यो और इसी तरह की हजारों पैटर्न में नहीं दिखाई देता है। हम संख्या ब्लाइंड हो चुके हैं।

किसी ने कहा गणित सीखने का लक्ष्य गणितीय सोच को विकसित करना है न कि कैलकुलेटर बनना है। दुर्भाग्यवश हम कैलकुलेटर भी नहीं बन पाए

बल्कि घर, बाजार, और दफ्तर में छोटे-छोटे कामों के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग धड़ल्ले से करने लगे।

पूछा गया कैलकुलेटर के बजाये दिमाग का इस्तेमाल क्यों नहीं करते हो तो जवाब मिलता है 'गलती हो जाएगी'। अर्थात, हमें खुद पर भरोसा ही नहीं रहा तो कहना पड़ता है कि

गणित सीखते-सीखते हम गणित से दूर हो गए, कितने मजबूर हो गए।

साथियों!

गैलिलियो ने कहा कि प्रकृति की किताब गणित की भाषा में लिखी गयी है और हम हैं कि इस भाषा को समझने की कोशिश नहीं करते।

शकुन्तला देवी जी ने कहा गणित के बिना आप कुछ नही कर सकते। आप के चारों ओर गणित है। आपके चारों ओर संख्याएँ हैं पर हम चिंतन नहीं करते।

मार्क्स ने कहा गणित ही वो जगह है जहाँ आप हर वो चीज कर सकते हैं जो आप वास्तविक दुनिया में नहीं कर सकते लेकिन हम गणित से डरते हैं और कुछ नहीं कर पाते।

गणित की खूबसूरती देखिए कि यह आसान चीजों को मुश्किल नहीं बनाती बल्कि मुश्किल चीजों को आसान बना देती है लेकिन हम ने भ्रांतियाँ फैला दीं कि गणित मुश्किल विषय है।

गणित भले ही हमें यह न सिखाए कि कैसे प्यार को जोड़ा जाए और नफरत को घटाया जाए मगर गणित हमें यह अवश्य सिखाता है कि हर समस्या का एक समाधान है, मगर अफसोस हमने गणित को ही समस्या बना दिया। इसी समस्या के समाधान के लिए NEP 2020 में Computational thinking and Mathematical communication पर बहुत जोर दिया गया है। NEP 2020 की सिफारिश PISA (Program for International Student Assessment) की कहानी और ASER (Annual Status of Education Report) की रिपोर्ट देखकर यह कहना पड़ता है कि

गणित सीखते-सीखते हम गणित से दूर हो गए, कितने मजबूर हो गए।

साथियों!

मैं आप से पूछना चाहता हूँ, गणित सीखने में कहाँ चूक गए? टेक्नोलॉजी में, पेडागोजी में, कंटेंट नॉलेज में, शिक्षा विभाग की इच्छा शक्ति में, बी.आर. पी., सी.आर.सी.सी. शिक्षकों और विद्यालय शिक्षा समिति की कार्यशैली में या फिर हमारे पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम में?

क्या जवाब हो सकता है ? सोचिए और इंतजार कीजिए कि इस बार TPCK का अंडा फूटने पर क्या निकलता है ? तब तक के लिए

जय हिन्द!

रिज़वान रिज़वी
मध्य विद्यालय सिलौटा
प्रखण्ड – चाँद
जिला – कैमूर

कला समेकित अधिगम

बच्चों को टीवी, मोबाईल और विडियो गेम से नहीं बल्कि प्रकृति के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को अपने दिमाग और अपने हाथों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कला सीखने के ऐसे अनुभव प्रदान कर सकती है जिससे उनका मन, हृदय और शरीर उससे जुड़ जाता है। इस तरह कलाएँ बच्चों को कई तरह के कौशल और क्षमताओं का उपयोग करने में सक्ष्म बनाती हैं।

इस बच्ची द्वारा बनाई गई कलाकृति को देख कर आपका मन भी गद्‌गद्‌ हो उठेगा।

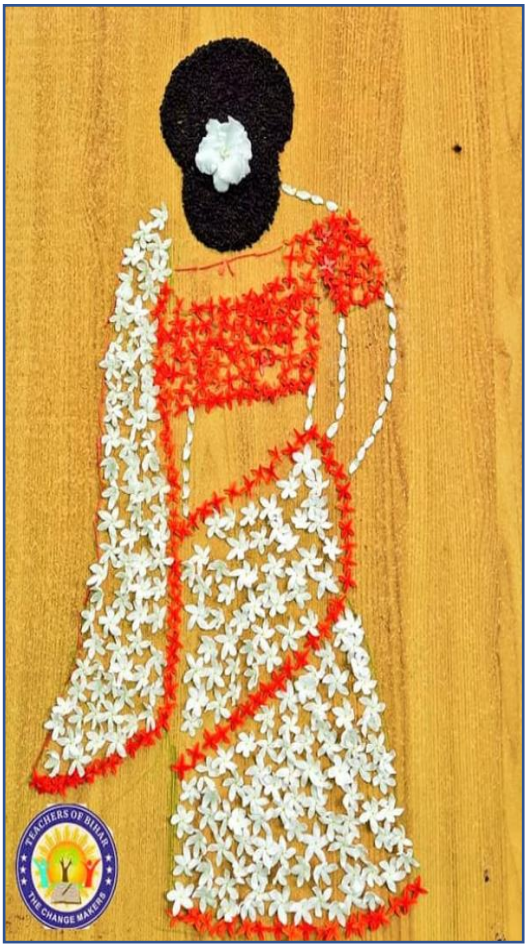

साक्षात्कार

यह शिक्षिका कमाल हैं!
सभी के लिए मिसाल हैं!

शिक्षिका खुशबू कुमारी से जब न्यूज 18 बिहार की एंकर ने पूछा कि अगर आप शिक्षा मंत्री बन जाएं तो बिहार में शिक्षा में कौन सा बदलाव करेंगी?

क्या जवाब दिया बिहार की शिक्षिका खुशबू कुमारी ने? जानने के लिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू को नीचे दिए गए *लिंक पर क्लिक* कर के देखें-

(20+) Teachers of Bihar – Posts | Facebook

इस एक्सक्लूसिव इंटरव्यू को देखने के लिए फोटो पर भी *क्लिक* किया जा सकता है।

खुशबू कुमारी के बारे में ई-न्यूज पेपर दैनिक जागरण में छपी खबर को देखिए-

Khushboo Kumari: This teacher education department of Bhagalpur is proud, giving training to teachers (jagran.com)

सीखिए, कार्टून से गणित

बिहार के शिक्षक आई.सी.टी. में बिल्कुल भी कमजोर नहीं हैं। इस कथन को सत्य कर दिखाया है सुपौल के शिक्षक सौरभ सुमन ने, जो आई. सी.टी. का प्रयोग करके खेल-खेल में दे रहे हैं बच्चों को शिक्षा।

सभी ई-कंटेन्ट SCERT बिहार के वेबसाईट और 'टीचर्स ऑफ बिहार' के फेसबुक पर उप्लब्ध है।

देखने के लिए लिंक पर क्लिक करें-

(20+) Teachers of Bihar – Posts | Facebook

जागरण ई-न्यूज लिंक-

sup, learn students from cortoon - Bihar Supaul Common Man Issues News (jagran.com)

कार्टून से बच्चों को गणित सिखा रहे हैं सौरभ सुमन

जागरण विशेष

संवाद सूत्र, त्रिवेणीगंज (सुपौल) : सौरभ सुमन अपने विद्यालय की छात्राओं को कार्टून और एनिमेशन के जरिये गणित और विज्ञान सिखा रहे हैं। वे कंप्यूटर शिक्षक के रूप में 2 ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय त्रिवेणीगंज में कार्यरत हैं।

उन्होंने गणित व विज्ञान की जटिलता को सरल तरीके से समझाने के लिए प्राथमिक कक्षा के सिलेबस का एनिमेशन व कार्टून बनाया है। यह वीडियो सरल बोलचाल की भाषा में बनाया गया है। वे राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद पटना की विज्ञान और गणित की विभागाध्यक्ष डा. रश्मि प्रभा के साथ मिलकर ई-कंटेंट तैयार कर रहे हैं साथ ही टीचर्स आफ बिहार जो शिक्षकों की आनलाइन कम्युनिटी है के साथ मिलकर बिहार के सरकारी स्कूल के छात्र और शिक्षकों को कोडिंग द्वारा गेम, कार्टून और एनिमेशन की जानकारी दे रहे हैं। इनके कई प्रोजेक्ट को पुरस्कृत भी किया गया है। सौरभ सुमन ने बताया कि वह टीचर्स आफ बिहार के फेसबुक पर बच्चों को कोडिंग सिखाते हैं। इसमें बिहार के सभी जिले के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं जुड़े हैं। स्टेट काउंसिल आफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) के विज्ञान एवं गणित की विभागाध्यक्ष डा.रश्मि प्रभा भी जुड़ी हैं। उन्होंने मुझे कोडिंग क्लास के दौरान सिलेबस के अनुसार एनिमेशन कार्टून बनाने के बारे में कहा। एनिमेशन और ई-कंटेंट को टीचर्स आफ बिहार के फेसबुक पेज के फाउंडर शिव कुमार ने अपलोड किया है। इस एनिमेशन व कार्टून का वीडियो बच्चे मोबाइल, कंप्यूटर एवं टीवी पर भी देख सकते हैं।

लैपटाप पर ज्ञान सीखते बच्चे • जागरण

सुमन का बनाया हुआ कार्टून • जागरण

सौरभ सुमन • जागरण

सम्मानित हो चुकी हैं बुलबुल

10वी की छात्रा बुलबुल कुमारी बताती है कि सुमन सौरभ सर के मार्गदर्शन से विज्ञान और तकनीक की जानकारी मिली रही है। उन्होंने बताया कि जब कोरोना को लेकर लाकडाउन चल रहा था तब हमारे गुरु ने गणित व विज्ञान की जटिलता को सरल तरीके से समझाने के लिए एनिमेशन व कार्टून बनाया है। जिस कारण हम लोगों को कोई परेशानी नहीं हुई। इसका नतीजा है कि इस वर्ष विज्ञान दिवस पर मुझे तारामंडल पटना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और लोकेश कुमार आइएएस द्वारा सम्मानित किया गया।

बोली छात्राएं

10वी की छात्रा आस्था केजरीवाल बताती है कि सुमन सौरभ सर ने मुझे कोडिंग के द्वारा गेम तैयार करना सिखाया। मेरे द्वारा तैयार गेम को एससीईआरटी द्वारा राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार मिला।

ToB ज्ञान

NMMSS and NTSE 2021 का रिजल्ट कैसे देखें या रिजल्ट देखने में कोई दिक्कत आ रही है तो नीचे दिए गए *लिंक पर क्लिक* कर यह विडियो जरूर देखें–

RESULT | NMMSS 2021 | NTSE 2021 |Bihar | ToB Gyan - YouTube

NMMSS and NTSE 2021 का रिजल्ट देखें–

SCERT - STATE COUNCIL OF EDUCATION RESEARCH & TRAINING (bihar.gov.in)

राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2021 (NMMSS 2021)

SCERT - NMMSS Result (bihar.gov.in)

राष्ट्रीय प्रतियोगिता खोज परीक्षा 2021 (NTSE 2021)

SCERT - NTSE Result (bihar.gov.in)

विडियो देखने के लिए फोटो पर भी *क्लिक* किया जा सकता है।

शुभकामना

आदरणीय संजय सिंह, IAS को विशेष सचिव, स्वास्थ्य विभाग बनाए जाने पर अनेक शुभकामनाएँ।

संजय सर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में 'टीचर्स ऑफ बिहार' ने सदैव उत्तम कार्य किया है और अपनी उंचाईयों को छुआ है। साथ ही, आदरणीय श्रीकांत शास्त्री, IAS को राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् बनाए जाने पर स्वागत एवं अभिनंदन। 'टीचर्स ऑफ बिहार' की पूरी टीम को पूर्ण आशा और विश्वास है कि आपके कुशल मार्गदर्शन में बिहार शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ेगा।

बालमंच

टीचर्स ऑफ बिहार के प्लेटफार्म से प्रकाशित बच्चों की पत्रिका बालमंच जुलाई 2021 का मानसून अंक।

नन्हे-मुन्ने बच्चों मे ंना जाने कितनी संभावनाएं होती हैं। आज के बच्चे कल के आइंस्टीन, पिकासो और न जाने क्या-क्या हो सकते हैं। इसलिए जरूरत है उनके अंदर की प्रतिभा को अभी से पहचानने की।

टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति बालमंच का 14वां अंक प्रस्तुत है, जिसमें बच्चों की क्रियाकलापों, रचनाओं और गतिविधियों को दर्शाया गया है।

इस पत्रिका को पढ़ने के लिए नीचे दिए गए *लिंक पर क्लिक* करें-
ToB - Publication (teachersofbihar.org)

एक बी.आर.सी. ऐसा भी

देखिए, बिहार के प्रखण्ड बगहा-२, पश्चिमी चंपारण का प्रखण्ड संसाधन केन्द्र (BRC) का खूबसूरत दृश्य-

दिवस ज्ञान

दिवस, घटनाओं, जयंती, स्मृति, स्थापना और पर्व-त्योहारों को पाठ्यपुस्तकों से जोड़कर बताने वाला बिहार का पहला मासिक कैलेंडर 'दिवस ज्ञान' द्वितीय संस्करण, वर्ष : 2, माह : अगस्त, 2021 को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हर्षानुभूति हो रही है। उम्मीद है कि इस अंक का उपयोग ज्ञानवर्धन के साथ-साथ पाठ्यपुस्तकों से जोड़कर देखने, पढ़ने और समझने में आप सभी को मदद मिलेगी। साथ ही शिक्षक, शिक्षाप्रेमी, विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों तथा अन्य सभी वर्ग के लोगों को विभिन्न दिवस आधारित कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाने में मदद मिलेगी।

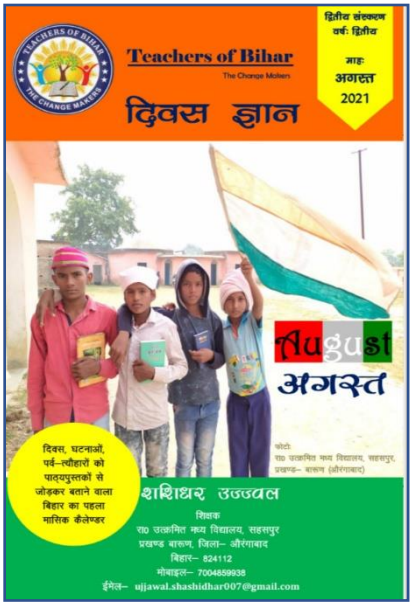

दिवस ज्ञान के इस अंक का संकलन श्री शशिधर उज्ज्वल, शिक्षक राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सहसपुर, प्रखंड-बारुण, जिला-औरंगाबाद ने किया है। दिवस ज्ञान के अगस्त-2021 अंक को पढ़ने के लिए नीचे के लिंक पर स्पर्श करें-

ToB - दिवस ज्ञान अगस्त 2021 (teachersofbihar.org)

अपने सलाह और सुझाव के लिए संपर्क करें-
शशिधर उज्ज्वल
मो० - 7004859938
ईमेल - ujjawal.shashdhar007@gmil.com
टीचर्स ऑफ बिहार
ईमेल - teachersofbihar@gmail.com

इस माह खबरों में.....

Two teachers from state selected for Nat'l Award

Faryal Rumi

Patna: Chandana Dutt, a teacher of Government Middle School (Ranti) at Rajnagar in Madhubani, and Haridas Sharma, the officiating head teacher of R K Middle School (Dahrak) at Ramgarh in Kaimur district, have made the state proud by getting selected for the 2021 National Award to Teachers.

The ministry of education on Wednesday announced a list of 44 people who will get the National Award to Teachers on September 5 for improving the quality of education and enriching the lives of thousands of students. Each of them will receive a medal, a certificate and a cash reward of Rs 50,000 from President Ram Nath Kovind during an event in New Delhi.

CHANDANA DUTT

HARIDAS SHARMA

Quadragenarian Chandana, an English and Maithili teacher, told this reporter over the phone that she was thankful to her family and in-laws for supporting her throughout. "I clearly remember that when I had joined the school as a teacher in 2005, there was no girls. While interacting with the boys, I asked them why their sisters did not come to school, but none of them had an answer," she recalled.

It was due to Chandana's efforts that the villagers, who were initially reluctant to educate their daughters because of poverty and illiteracy, began sending them to Government Middle School gradually. "I began encouraging the villagers in 2006 and my hard work paid off in the end. Of the 900 students enrolled in our school at present, 60% are girls and 40% boys," she said, adding that the institute was also upgraded from middle to high school in 2020.

Chandana, whose 'Ganga Snan' was well-received, has also penned stories and poems in other books as a contributor. She is the daughter-in-law of Mithila painter, Bimla Dutt, and has taught the art to many students.

Haridas Sharma, on the other hand, painted all the walls of R K Middle School with colourful diagrams, lunar and solar eclipses, numbers, and alphabets during the nationwide lockdown to make the building more attractive.

"Since pictures have a greater impact on the minds of children than words, I decided to paint the walls. I also planted saplings and herbs with QR codes in a small garden on the school campus so that the kids could get all information, including uses and scientific names of the plants, on their cellphones," Haridas said.

He went on to set up QR codes in all the classrooms which have been named after B R Ambedkar, Sarvepalli Radhakrishnan, Swami Vivekanand, and Aruni. As soon as the students scan these codes, they get to know everything about these personalities, Haridas pointed out. "We also have two community-based smart classes that provide a better learning experience to our kids."

CAMERA

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए मधुबनी की चंदना दत्त का चयन

जासं, मधुबनी : राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2021 के लिए जिले की शिक्षिका चंदना दत्त का चयन किया गया है। बिहार के एक और शिक्षक हरिदास शर्मा का चयन इस पुरस्कार के लिए किया गया है। वे भभुआ जिले के आरकेएमएस, दहरक, रामगढ़ के एक्टिंग हेड शिक्षक हैं। देशभर से 44 शिक्षक-शिक्षिकाओं का चयन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए किया गया है। चंदना का चयन होने पर जिला शिक्षा पदाधिकारी नसीम अहमद ने उन्हें बधाई दी है। राजनगर प्रखंड क्षेत्र के रांटी गांव निवासी चंदना मध्य विद्यालय रांटी की शिक्षिका हैं। वर्ष 2005 में इस विद्यालय में पदस्थापित हुई थीं। वर्तमान में यह विद्यालय उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय हो गया है। वे अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उनकी शिक्षा-दीक्षा अररिया जिले के फारबिसगंज में हुई है। इनका मायका बिस्फी थाना क्षेत्र स्थित बलाट गांव में है। चंदना पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं।

चंदना दत्त। ● जागरण

राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए शिक्षकों की सूची राज्य को भेजी

- चयनित तीन शिक्षकों में दो कुटुंबा के

प्रतिनिधि, अंबा

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए जिले से तीन शिक्षकों को चयनित कर सूची राज्य स्तर पर भेज दी गयी है. इनमें दो कुटुंबा प्रखंड के और एक रफीगंज प्रखंड के शिक्षक हैं. जिला शिक्षा पदाधिकारी संग्राम सिंह ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से जिले के छह शिक्षकों ने आवेदन किया था. इनमें बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए चयन समिति द्वारा कुटुंबा प्रखंड से मिडिल स्कूल रसलपुर के शिक्षक जितेंद्र कुमार व उत्क्रमित उच्च विद्यालय चौखड़ा के वीरेंद्र कुमार केशव के साथ रफीगंज प्रखंड के मिडिल स्कूल से सनथुआ के सुनील कुमार का नाम राज्य स्तर पर भेजा गया है. जिले से चयनित शिक्षक

जितेंद्र कुमार सिन्हा.

वीरेंद्र केशव.

राज्यस्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिए गठित चयन समिति के समक्ष अपना प्रजेंटेशन रखेंगे. राजकीय स्तर पर चयनित छह शिक्षकों की सूची राष्ट्रीय स्तर पर भेजी जायेगी, जहां प्रेजेंटेशन में बेहतर करने वाले शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड से पांच सितंबर को सम्मानित किया जायेगा. विदित हो कि पिछले वर्ष जिले के कुटुंबा प्रखंड के शिक्षक चंद्रशेखर प्रसाद साहू राज्य स्तरीय अवार्ड के लिए चुने गये थे. इस वर्ष भी कुटुंबा प्रखंड से दो शिक्षकों को जिला स्तर से चयनित किये जाने के बाद बीईओ डॉ यदुवंश यादव, बीआरपी विकास कुमार विश्वास, अवधेश कुमार, मंसूर आलम समेत अन्य शिक्षकों में हर्ष है. बीइओ ने बताया कि शिक्षकों की इस कामयाबी से प्रखंड का नाम रोशन हुआ है. इससे शैक्षणिक गतिविधि में भी सुधार का माहौल बनता है.

दो श्रेणी में 100 अंक के मापदंड के तहत होता है चयन : राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड के लिए दो श्रेणी में मापदंड तय किया गया है. श्रेणी क में वस्तुनिष्ठ मापदंड के तहत 20 अंक तथा श्रेणी ख में निष्पादन आधारित मापदंड के तहत 80 अंक निर्धारित है. वस्तुनिष्ठ मापदंड के अंतर्गत आठ बिंदु पर मार्किंग किया जाता है. इसमें समुदाय, अभिभावकों, पूर्व के छात्र-छात्राओं, स्कूल के भौतिक अवसंरचना, कंप्यूटर, एमडीएम, पुस्तकें आदि स्कूल में योगदान करने के लिए शिक्षक द्वारा प्रोत्साहित किया जाना, पिछले पांच वर्षों में प्रकाशन से जुड़े कार्य, पिछले तीन वर्षों में वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन से संबंधित कार्य, नियमित रूप से विद्यालय आना, सेवाकालीन प्रशिक्षण में नियमित भाग लेना, नामांकन बढ़ाने एवं ड्रॉपआउट बच्चे को विद्यालय से जोड़ना, ई-सामग्री पाठ्य पुस्तक समेत शिक्षक हैंड बुक में योगदान शामिल है. इन सभी गतिविधियों पर 20 अंक मार्किंग किया जाता है. श्रेणी ख में शिक्षक द्वारा नवाचार में किए गए प्रयोग, पाठ्येतर एवं सह पाठ्यक्रम कार्यकलाप का आयोजन, स्कूल स्थापना एवं बच्चों के बीच सामाजिक जागरूकता के प्रचार के लिए समाज को एकजुट करना तथा राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय अखंडता का संवर्धन से जुड़ा है. इसके लिए 80 अंक निर्धारित है. इनमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षक को राष्ट्रीय अवार्ड के लिए केंद्र से चयनित किया जाता है.

हिन्दुस्तान 08
गया • शनिवार • 31 जुलाई 2021

या।

म

ान

प्रकाश

ड़ गई
किए

। आभार

ढ़ाई चल

मिशन कैवल्य के तहत लांच हुए प्रशिक्षण के ई-कोर्स

अंबा | संवाद सूत्र

प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, एससीईआरटी व मंत्र फॉर चेंज के संयुक्त तत्वाधान में मिशन कैवल्य के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए तीन ऑनलाइन कोर्स की शुरुआत शुक्रवार को की गई। प्राथमिक शिक्षा निदेशक डॉ रंजीत कुमार ने ये कोर्स लांच किए। जो कोर्स लांच किए गए हैं, उनमें प्रारंभिक कक्षाओं में संवाद के कौशल, गणित शिक्षण में आकलन तथा शिक्षण प्रेरणा संवर्धन के कौशल शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि शुरू के दो कोर्स सभी शिक्षक, हेडमास्टर सीआरसीसी व बीआरपी को करना जरूरी है जबकि तीसरा कोर्स संकुल समन्वयक के लिए आवश्यक है। यह तीनों कोर्स 15 अगस्त तक पूरा कर लेना है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में बच्चे और शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से जुड़ सकते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण का यह ई-कोर्स शिक्षकों की क्षमता संवर्धन के लिए जरूरी है।

मिशन कैवल्य के इस यू-ट्यूब लाइव सेशन राज्य से दो संकुल समन्वयक और दो हेडमास्टरों को विचार साझा करने का मौका मिला। औरंगाबाद जिले से कन्या मिडिल स्कूल के हेडमास्टर राजकीय शिक्षक पुरस्कार से संबंधित चंद्रशेखर प्रसाद साहू को यह अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह कोर्स बेहद सरल है।

इसमें एनिमेटेड वीडियो के के जरिय शिक्षकों को बच्चों के साथ संवाद करते हुए, प्रश्न पूछने के लिए अवसर देते हुए, बच्चों को समूह में चर्चा करने का अवसर देते हुए दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसी शिक्षण विधियां बच्चों के सीखने में मददगार होती हैं। हमें अब उन तरीकों को अपनाना होगा जो बच्चों के सीखने में सहायक हो। उन्होंने कहा कि इन शिक्षण विधियों के द्वारा सुगमता पूर्वक अधिगम कराया जा सकता है। इस मौके पर एनसीईआरटी की डॉ अर्चना, अभिषेक कुमार, शिव कुमार, त्रिपुरारी राय, ममता कुमारी, नेहा कंचन आदि थे।

ऑनलाइन कोर्स

- औरंगाबाद जिले से कुटुंबा कन्या मिडिल स्कूल के हेडमास्टर को विचार रखने का मिला मौका
- दो कोर्स सभी शिक्षक, हेडमास्टर सीआरसीसी व बीआरपी को करना जरूरी
- शिक्षक प्रशिक्षण का यह ई-कोर्स शिक्षकों की क्षमता संवर्धन के लिए जरूरी है

यक को हटाने के लिए सौंपा ज्ञापन

तिनिधि

के प्रधान

हिन्दुस्तान 08
गया • शनिवार • 31 जुलाई 2021

मिशन कैवल्य के तहत लांच हुए प्रशिक्षण के ई-कोर्स

अंबा | संवाद सूत्र

प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, एससीईआरटी व मंत्र फॉर चेंज के संयुक्त तत्वाधान में मिशन कैवल्य के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए तीन ऑनलाइन कोर्स की शुरुआत शुक्रवार को की गई। प्राथमिक शिक्षा निदेशक डॉ रंजीत कुमार ने ये कोर्स लांच किए। जो कोर्स लांच किए गए हैं, उनमें प्रारंभिक कक्षाओं में संवाद के कौशल, गणित शिक्षण में आकलन तथा शिक्षण प्रेरणा संवर्धन के कौशल शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि शुरू के दो कोर्स सभी शिक्षक, हेडमास्टर सीआरसीसी व बीआरपी को करना जरूरी है जबकि तीसरा कोर्स संकुल समन्वयक के लिए आवश्यक है। यह तीनों कोर्स 15 अगस्त तक पूरा कर लेना है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में बच्चे और शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से जुड़ सकते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण का यह ई-कोर्स शिक्षकों की क्षमता संवर्धन के लिए जरूरी है।

मिशन कैवल्य के इस यू-ट्यूब लाइव सेशन राज्य से दो संकुल समन्वयक और दो हेडमास्टरों को विचार साझा करने का मौका मिला। औरंगाबाद जिले से कन्या मिडिल स्कूल के हेडमास्टर राजकीय शिक्षक पुरस्कार से संबंधित चंद्रशेखर प्रसाद साहू को यह अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह कोर्स बेहद सरल है।

इसमें एनिमेटेड वीडियो के के जरिय शिक्षकों को बच्चों के साथ संवाद करते हुए, प्रश्न पूछने के लिए अवसर देते हुए, बच्चों को समूह में चर्चा करने का अवसर देते हुए दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसी शिक्षण विधियां बच्चों के सीखने में मददगार होती हैं। हमें अब उन तरीकों को अपनाना होगा जो बच्चों के सीखने में सहायक हो। उन्होंने कहा कि इन शिक्षण विधियों के द्वारा सुगमता पूर्वक अधिगम कराया जा सकता है। इस मौके पर एनसीईआरटी की डॉ अर्चना, अभिषेक कुमार, शिव कुमार, त्रिपुरारी राय, ममता कुमारी, नेहा कंचन आदि थे।

ऑनलाइन कोर्स

- औरंगाबाद जिले से कुटुंबा कन्या मिडिल स्कूल के हेडमास्टर को विचार रखने का मिला मौका
- दो कोर्स सभी शिक्षक, हेडमास्टर सीआरसीसी व बीआरपी को करना जरूरी
- शिक्षक प्रशिक्षण का यह ई-कोर्स शिक्षकों की क्षमता संवर्धन के लिए जरूरी है

को हटाने के लिए सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय सम्मान के लिए नामित राज्य के छह शिक्षकों में औरंगाबाद के सुनील भी

औरंगाबाद | हिंदुस्तान प्रतिनिधि

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए राज्य स्तर से जिन छह शिक्षकों को उनके परफॉर्मेंस के आधार पर नामित किया गया है, उनमें औरंगाबाद जिले के रफीगंज प्रखंड के सनथुआ मिडिल स्कूल के हेडमास्टर सुनील राम का नाम शामिल है।

इससे जुड़ा पत्र प्राथमिक शिक्षा निदेशक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने जारी किया है। पत्र के अनुसार औरंगाबाद जिले के सुनील राम के अलावा राज्य के नामित अन्य पांच शिक्षकों में कैमूर जिले के राजकीय मिडिल स्कूल डरहक के हेडमास्टर हरिदास शर्मा, गया जिले के जिला स्कूल के शिक्षक देवेंद्र सिंह, मुजफ्फरपुर जिले के उत्क्रमित हाई स्कूल बैंगरा के हेडमास्टर अमरनाथ त्रिवेदी, मधुबनी जिले के मिडिल स्कूल रांटी की शिक्षिका वंदना दत्त तथा पटना जिले के महादेव उच्च माध्यमिक स्कूल खुसरूपुर की शिक्षिका निशी कुमारी का नाम शामिल है। नामित सभी शिक्षक आगामी पांच अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इंडिपेंडेंट नेशनल जूरी के समक्ष अपना प्रेजेंटेशन देंगे। इसके लिए इन्हें पटना बुलाया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि सरकारी वाहन से संबंधित शिक्षक को निर्धारित तिथि को पटना पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। विदित हो कि रफीगंज के सुनील राम का चयन तीसरी बार राज्य स्तर से हुआ है। वर्ष 2019 से लेकर वर्ष 2021 तक लगातार वे नेशनल जूरी के समक्ष प्रेजेंटेशन के लिए राज्य स्तर से चुने गए हैं।

सुनील राम।

•जिले के महादेव उच्च माध्यमिक स्कूल खुसरूपुर की शिक्षिका निशी कुमारी का नाम शामिल

डीईओ से मिला टीचर ऑफ बिहार का शिष्टमंडल, दी गतिविधियों की जानकारी

अंबा | संवाद सूत्र

टीचर्स ऑफ बिहार से जुड़े कुटुंबा प्रखंड के शिक्षकों का एक शिष्टमंडल बुधवार को जिला मैंटर डॉ सुनील कुमार के नेतृत्व में डीईओ संग्राम सिंह से मिला और उन्हें टीचर्स ऑफ बिहार की गतिविधियों की जानकारी दी।

शिष्टमंडल में राजकीय पुरस्कार से सम्मानित कन्या मिडिल स्कूल के हेडमास्टर चंद्रशेखर प्रसाद साहू, मिडिल स्कूल, रसूलपुर के शिक्षक जितेंद्र कुमार सिन्हा व सुमंत कुमार शामिल थे। इन्होंने बताया कि टीचर्स ऑफ बिहार राज्य स्तर का शैक्षिक मंच है जो विद्यालय, शिक्षक एवं विद्यार्थी की बेहतरी के लिए समर्पित है। इस मंच से तकरीबन 70 हजार शिक्षक जुड़े हैं। जिले से भी सैकड़ों शिक्षक इस मंच से जुड़े हैं। मंच नवाचारों, नवीन शैक्षिक गतिविधियों, ऑनलाईन क्लास, विविध विषयों पर विशेषज्ञों से परिचर्चा आदि का आयोजन करता है। इससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शैक्षिक मार्गदर्शन मिलता है।

इससे जुड़े शिक्षक शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग, संडे फंडे कार्यक्रम, कला समेकित अधिगम, वैदिक गणित, योग, आदि सहशैक्षिक गतिविधियों का ऑनलाइन कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। इसका लाभ बच्चों एवं शिक्षकों को मिलता है। शिक्षण प्रक्रिया को आनंददायी एवं रोचक बनाने के लिए नवाचार से जुड़े कार्यक्रम चलाए जाते हैं। डीईओ ने प्रसन्नता जताई और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में उनका सहयोग मिलता रहेगा। शिक्षकों ने डीईओ को सम्मानित भी किया।

हम से जुड़ें

टीचर्स ऑफ बिहार वेबसाईट

www.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक पेज

https://www.facebook.com/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक ग्रुप

https://www.facebook.com/groups/1907206889337788/

टीचर्स ऑफ बिहार यूट्यूब चैनल

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार इंस्टाग्राम

https://instagram.com/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार ट्वीटर

https://twitter.com/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार ब्लाग्स

https://teachersofbihar.blogspot.com

टीचर्स ऑफ बिहार फ्री मेम्बरशिप

https://goo.gl/forms/NXvJIfBizTHcL4Vr1

टीचर्स ऑफ बिहार व्हाट्सएप

https://chat.whatsapp.com/ELgbSXBicnh9DFYEjkqmWb

टीचर्स ऑफ बिहार कम्युनिटी फोरम

https://forum.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार टेलीग्राम ग्रुप

https://t.me/TeachersofBiharofficial

टीचर्स ऑफ बिहार pinterest

https://in.pinterest.com/Teachersofbihar/

टीचर्स ऑफ बिहार linkedin

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल ऑन मोबाइल (SoM) वेबसाइट

https://som.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल ऑन मोबाइल (SoM) वेबसाइट

(20+) School on Mobile (SoM) | Facebook

टीचर्स ऑफ बिहार कॉन्टेस्ट

https://Contest.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार क्विज

https://quiz.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार पद्य पंकज वेबसाइट (कविताओं का संसार)

https://padyapankaj.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार गद्य गुंजन वेबसाइट (कहानियों की दुनिया)

https://gadyagunjan.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार योगदूत वेबसाइट

https://yogdoot.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार कुटुम्ब ऐप

https://kutumb.app/teachers-of-bihar?ref=RUC1I

टीचर्स ऑफ बिहार "Koo" ऐप

https://www.kooapp.com/profile/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार ''शिक्षा-श्रुति'' पॉडकास्ट चैनल

https://anchor.fm/teachers-of-bihar

टीचर्स ऑफ बिहार का व्हाट्सएप नं०

+91 72508 18080, +91 96502 33010

शब्द संयोजन, टंकण, ले-आउट एवं कवर डिजाईन

मो० क़मर अहमद

शिक्षक

उर्दू मध्य विद्यालय मुरौली, कुटुम्बा, औरंगाबाद (बिहार)

मोबाईल - +91 73250 50350

E-mail : qquamarr@gmail.com